भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1522
उत्तर दिनांक - 31/07/2024 को दिया गया

गैर-जीवाश्म ईंधन

1522. डॉ. अमर सिंह

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि परमाणु ऊर्जा 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा स्रोतों की संचयी स्थापित क्षमता हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत करने और 2050 तक निवल शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी; और
- (ख) यदि हां, तो 2070 तक शुद्ध शून्य अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूरा करने के लिए देश के ऊर्जा संक्रमण को ध्यान में रखते हुए देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित पहलों का ब्योरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) व (ख) नाभिकीय ऊर्जा में देश की दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा को संधारणीय तरीके से उपलब्ध कराने की विशाल क्षमता है। 24X7 उपलब्ध स्वच्छ बिजली के आधार भार स्रोत के रूप में, निवल शून्य में ऊर्जांतरण करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। निवल शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने में सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य में योगदान करने के लिए, वर्तमान में स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 8180 मेगावाट को वर्ष 2031-32 तक 22480 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए एक नाभिकीय विद्युत विस्तार कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है। सरकार ने भविष्य में नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों की स्थापना हेतु पांच नए स्थलों के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन भी प्रदान कर दिया है।